



हिन्दुस्तान

भरोसा जाए हिन्दुस्तान का

बुधवार
21 फरवरी 2024, घनावाद

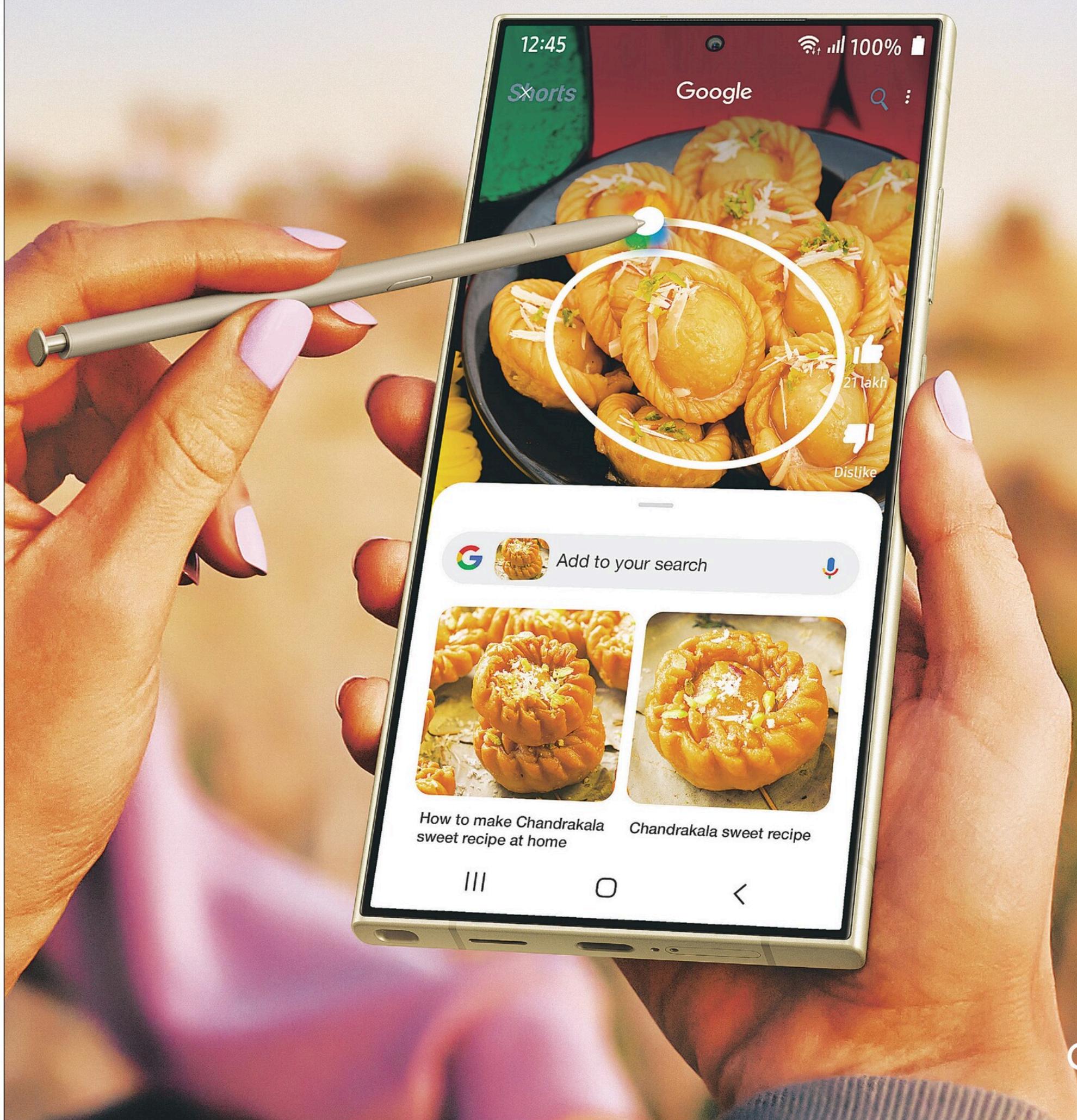
• पांच प्रदेश • 21 संकरण

आठ वर्ष के अरेथ
किसी ग्रैंडमास्टर
को हराने वाले सबसे
युवा खिलाड़ी बने



SAMSUNG

Galaxy S24 Ultra Circle it, find it



Circle to Search
with Google

Own now at ₹ 5417/month*

Zero down payment | 24 months no cost EMI#

Up to ₹ 12000
upgrade bonus**

Samsung
Upgrade

HDFC BANK

B
BAJAJ
FINSERV

Samsung Finance+™

samsung.com

Please dispose of e-waste and plastic waste responsibly. Customers can WhatsApp on 1800 5 7267864 for information on e-waste/plastic pick up.

Image simulated for representational purpose, actual may vary. S Pen embedded in Galaxy S24 Ultra. Circle to Search results may vary depending on visual matches. Google is a trademark of Google LLC. Compatible devices and internet connection required. Works on compatible apps and surfaces. Results may vary depending on visual matches. Users may need to update Android to the latest version. Product functionality may be dependent on your app and device settings. Some functions may not be compatible with certain apps. Availability of the service varies by country and language. Accuracy of results is not guaranteed. T&C apply. *EMI computed on zero down payment, 24 months no cost EMI on the price of ₹ 129999 for 1 Unit of Galaxy S24 Ultra 12GB | 256GB. Final price at sole discretion of the dealer. **Eligibility for EMI at the sole discretion of the financiers, including those listed on Samsung Finance+ (Financier T&C applies). Samsung disclaims any liabilities with the same.

**Upgrade bonus offer as per Samsung Upgrade program, provided by brand/dealer at their sole discretion upon exchange of select devices. Upgrade bonus varies model wise and EMI offer taken by the customer. Up to ₹ 12000 upgrade bonus is applicable only where customer does not avail the 24 months no cost EMI offer. The upgrade bonus shall be up to ₹ 5000 only when availed with 24 months no cost EMI offer. Reach out to dealer for more information. Offers may be revised or withdrawn without prior notice. All third party logos/brands are trademarks or registered trademarks of the respective brands. Samsung reserves responsibility over Artificial Intelligence (AI) features.

Scan and experience
Galaxy AI

Or WhatsApp "Hi" to
9870 494949 to buy at
Samsung Exclusive Store



इंग्लैंड के खिलाफ
चौथे टेस्ट मैच में
बुमराह को आराम
दिया जा सकता है



• पांच प्रदेश • 21 संकरण



ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को सुगम परिवहन सेवा



निःशुल्क यात्रा

- वरिष्ठ नागरिक (60 वर्ष से अधिक)
- छात्र/छात्रा
- राज्य सरकार द्वारा विधवा पेंथन से आचारित महिला
- राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त झारखण्ड अंदोलनकारी
- दिव्यांगजन (40% से अधिक)
- HIV संक्रमित

योजना से संबंधित महत्वपूर्ण प्रावधान

- लाभार्थियों के चयन में एसटी, एससी एवं अन्य पिछड़ा वर्ग को प्राथमिकता
- लाभुकों को नये वाहन क्रय पर 5% गारंस क्याज सम्बिंदी 05 वर्षों तक
- पथकर - 100% विमुक्त
- परमिट शुल्क, नये वाहन हेतु निबंधन शुल्क, फिटनेस टेस्ट शुल्क और परमिट आवेदन शुल्क - ₹1 (एक रुपया)
- योजना का लाभ लेने के लिए इच्छुक नागरिक / वाहन सवारी अपने जिला के जिला परिवहन पदाधिकारी से संपर्क कर सकते हैं

झारखण्ड मुख्यमंत्री

ग्राम गाड़ी
योजना का

दृढ़भारक

मुख्य अतिथि

श्री चम्पाई सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड
के कार कमलों द्वारा

विशेष अतिथि

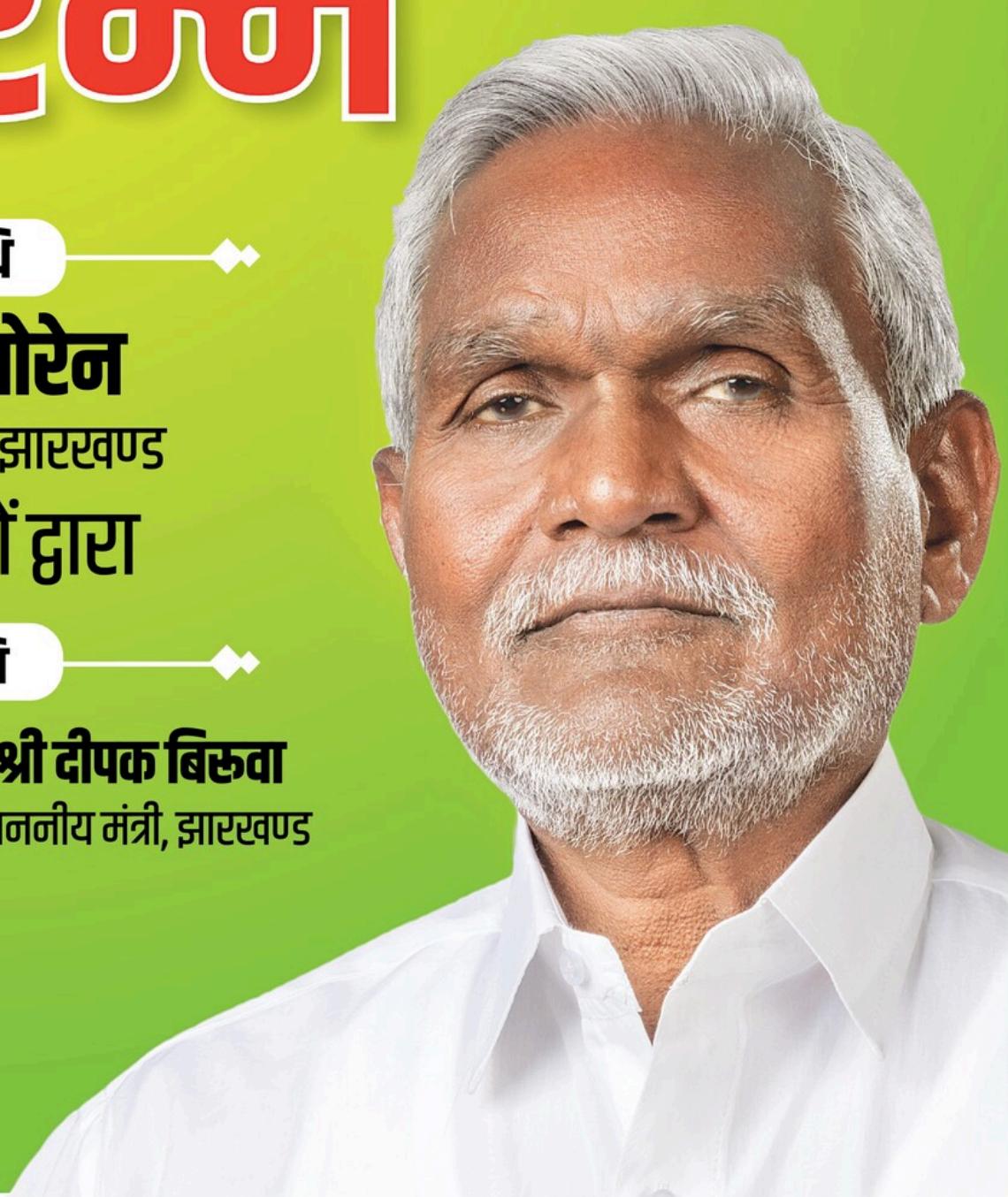
श्री सत्यानन्द भोका
माननीय मंत्री, झारखण्ड

श्री दीपक बिल्गा
माननीय मंत्री, झारखण्ड

दिनांक: 21 फरवरी, 2024

समय: 12:30 बजे अपराह्न

स्थान: मोरहाबादी मैदान, रांची



कार्यालय-कार्यपालक अभियंता, एन०आर०ई०पी०, साहेबगंज ।

ई०-निविदा आमंत्रण सूचना

ई०-निविदा संख्या-24/2023-24/NREP/Sahibganj

क्र०	आईडैटी फिकेशन संख्या	प्रखंड	योजना का नाम	प्राकलित राशि	अग्रधन की राशि	निविदा शुल्क	कार्य समाप्ति की तिथि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	NREP/Sahibganj/ 1/2023-24	बरहेट	ग्राम लोराय बुलू टोला से मालगोड़ा प्रधान टोला तक पी०सी०पी० सड़क निर्माण भाग-1	2498400	50000	5000	2 माह
2	NREP/Sahibganj/ 2/2023-24	बरहेट	ग्राम चुटिया बागवान टोला पी०सी०पी० शेष भाग से मरी घर तक पी०सी०पी० सड़क निर्माण ।	2499000	50000	5000	2 माह
3	NREP/Sahibganj/ 3/2023-24	बरहेट	कुसमा सरकारी बांध से प्राईमरी स्कूल होते हुए छप्पर टोला प्रेम के घर तक पी०सी०पी० सड़क निर्माण भाग-1	2492900	50000	5000	2 माह
4	NREP/Sahibganj/ 4/2023-24	बरहेट	ग्राम चन्दपुरा में शेष भाग पी०सी०पी० सड़क निर्माण	1814900	38000	5000	2 माह
5	NREP/Sahibganj/ 5/2023-24	बरहेट	लोगाय माझी टोला शेष भाग में पी०सी०पी० सड़क निर्माण ।	2498500	50000	5000	2 माह
6	NREP/Sahibganj/ 6/2023-24	बरहेट	ग्राम जीमोली आर०ई०पी० सड़क से चुण्डे टोला तक पी०सी०पी० सड़क निर्माण	2218500	46000	5000	2 माह
7	NREP/Sahibganj/ 7/2023-24	बरहेट	बरहेट संथाली उठ तीनमुहानी पी०डल्ल०डी० रोड से मैनुल घर तक पी०सी०पी० सड़क निर्माण ।	1602100	34000	5000	2 माह
8	NREP/Sahibganj/ 8/2023-24	बरहेट	ग्राम इलाकी खरांग टोला में पी०सी०पी० सड़क निर्माण भाग-1	2497900	50000	5000	2 माह
9	NREP/Sahibganj/ 9/2023-24	बरहेट	ग्राम इलाकी खरांग टोला में पी०सी०पी० सड़क निर्माण भाग-2	2495700	50000	5000	2 माह
10	NREP/Sahibganj/ 10/2023-24	बरहेट	ग्राम छुची बुलू टोला में पी०सी०पी० सड़क निर्माण	1538900	32000	5000	2 माह
11	NREP/Sahibganj/ 11/2023-24	बरहेट	ग्राम बन्दरगोड़ा में डीप बोरिंग सह टंकी निर्माण ।	1179600	23000	2500	2 माह
12	NREP/Sahibganj/ 12/2023-24	बरहेट	ग्राम छोटा कदमा तालाब के पास डीप बोरिंग सह टंकी निर्माण ।	1179600	23000	2500	2 माह
13	NREP/Sahibganj/ 13/2023-24	बरहेट	ग्राम पहाड़पुर कड़या टोला में डीप बोरिंग सह टंकी निर्माण ।	1179600	23000	2500	2 माह
14	NREP/Sahibganj/ 14/2023-24	बरहेट	ग्राम रांगा बुलू टोला में डीप बोरिंग सह टंकी निर्माण ।	1179600	23000	2500	2 माह
15	NREP/Sahibganj/ 15/2023-24	बरहेट	ग्राम लक्षी बथान से बोरिंग सह टंकी निर्माण ।	1179600	23000	2500	2 माह
16	NREP/Sahibganj/ 16/2023-24	पतना	ग्राम आमडंडा संथाली के चमड़ा पहाड़ पी०एम०जी०एस०वाई० से पी०डल्ल०डी० सड़क आमडंडा तक पी०सी०पी० सड़क निर्माण भाग-3	2155200	44000	5000	2 माह
17	NREP/Sahibganj/ 17/2023-24	पतना	ग्राम धरमपुर के प्रखंड कार्यालय एफ०सी०आई० गोदाम से जेम्स दास के घर तक पकड़ी नाली निर्माण भाग-2	1406400	30000	2500	2 माह
18	NREP/Sahibganj/ 18/2023-24	पतना	ग्राम धरमपुर के प्रखंड कार्यालय एफ०सी०आई० गोदाम से जेम्स दास के घर तक पकड़ी नाली निर्माण भाग-1	2107700	44000	5000	2 माह
19	NREP/Sahibganj/ 19/2023-24	पतना	ग्राम कोराडीह में प्राओवि स्कूल का मरम्मती कार्य ।	1592600	32000	2500	2 माह
20	NREP/Sahibganj/ 20/2023-24	पतना	उत्क्रमित उच्च विद्यालय दिग्नी में नया रसोई घर का निर्माण कार्य ।	989200	20000	1250	2 माह
21	NREP/Sahibganj/ 21/2023-24	पतना	ग्राम शांतिनगर में रघुदत्ता के घर से बी०हेब्रम के घर तक पी०सी०पी० सड़क निर्माण ।	1150600	24000	2500	2 माह
22	NREP/Sahibganj/ 22/2023-24	पतना	ग्राम कोराडीह में पी०डल्ल०डी० सड़क से यदुनंदन राय के घर तक पी०सी०पी० सड़क निर्माण ।	1421500	30000	2500	2 माह
23	NREP/Sahibganj/ 23/2023-24	पतना	ग्राम आमडंडा संथाली के चमड़ा पहाड़ पी०एम०जी०एस०वाई० से पी०डल्ल०डी० सड़क आमडंडा तक पी०सी०पी० सड़क निर्माण भाग-1	2499500	50000	5000	2 माह
24	NREP/Sahibganj/ 24/2023-24	पतना	ग्राम आमडंडा संथाली के चमड़ा पहाड़ पी०एम०जी०एस०वाई० से पी०डल्ल०डी० सड़क आमडंडा तक पी०सी०पी० सड़क निर्माण भाग-2	2456500	50000	5000	2 माह
25	NREP/Sahibganj/ 25/2023-24	पतना	ग्राम सरयविंधा गोपीचंद पंडित घर से प्राओवि सरयविंधा तक पी०सी०पी० सड़क निर्माण भाग-1	1856000	38000	2500	2 माह
26	NREP/Sahibganj/ 26/2023-24	पतना	ग्राम राजामीठा से हडिया होते हुए चौकीढ़ा बजरंगबाली मंदिर तक पी०सी०पी० सड़क निर्माण भाग-1	1544500	32000	2500	2 माह
27	NREP/Sahibganj/ 27/2023-24	पतना	ग्राम सुरगा से अमृत साह के घर से छिलका पुल तक पी०सी०पी० सड़क निर्माण भाग-1	1883100	38000	2500	2 माह
28	NREP/Sahibganj/ 28/2023-24	पतना	ग्राम धरमपुर के पी०डल्ल०डी० सड़क से अनवर दुकान से कन्हाई पोदार के घर तक पी०सी०पी० सड़क निर्माण ।	805300	18000	2500	2 माह
29	NREP/Sahibganj/ 29/2023-24	पतना	ग्राम लतबड़िया पी०डल्ल०डी० सड़क से कब्रस्तान होते हुए मोहलीटोला तक पी०सी०पी० सड़क निर्माण ।	2126600	44000	5000	2 माह
30	NREP/Sahibganj/ 30/2023-24	पतना	ग्राम वरमसिया मधुसुदन घर से मनोज साह के घर होते हुए तेलो टोला घर तक ढक्कनदार नाली का निर्माण ।	1581100	32000	5000	2 माह
31	NREP/Sahibganj/ 31/2023-24	पतना	ग्राम मयूरशट्टी बुलबड़िया टोला में रंजीत रमानी के घर से मरिजद तक पी०सी०पी० सड़क ढक्कन दार नाली का निर्माण ।	1994400	40000	5000	2 माह

1. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि-23.02.2024

2. ई-निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :-04.03.2024 अपराह्न 05.00 बजे तक ।

3. निविदा खोलने की तिथि एवं समय - 05.03.2024 अपराह्न 3.00 बजे ।

4. केवल ई-निविदा ही स्वीकार की जायेगी ।

5. ग्रामीण कार्य विभाग एवं भवन निर्माण विभाग के समुचित श्रेणी के संवेदक ही निविदा में भाग लेंगे ।

6. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :- कार्यपालक अभियन्ता, एन०आर०ई०पी०, साहेबगंज ।

7. निविदा संबंधी जानकारी हेतु मोबाइल नं०-7870217090 पर कार्यालय अवधि में सम्पर्क किया जा सकता है । विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट <https://www.jharkhandtenders.gov.in> पर देखा जा सकता है ।

ह०/- कार्यपालक अभियन्ता, एन०आर०ई०पी०, साहेबगंज

अपना धनबाद

राष्ट्रीय जनता कामगार संघ नामक यूनियन के साथ सक्रिय हुई रामधीर सिंह की बहू

इंदूदेवी अध्यक्षव आशनी महामंत्री

धनबाद, विशेष संवाददाता। जनता मजदूर संघ से मोहभग होने के बाद रामधीर सिंह की बहू आशनी सिंह अब राष्ट्रीय जनता कामगार यूनियन के बैनर तले कोयलाचल में सक्रिय हो गी। नए श्रमिक संगठन की कार्यसमिति की घोषणा आशनी सिंह ने मंगललवार को की। निवाल दिसंबर 2023 वार्षी दो माह पहले का है।



सचिव एवं सुशील कुमार सिंह को कोषालीय क्षेत्र में भाग लेने की विशेष विशेषता है। फिरहाल 24 सदस्यों के मंगललवार संघ के बाद राष्ट्रीय जनता कामगार संघ में भी विभाजन देखा जाएगा। इसके बाद राष्ट्रीय जनता कामगार संघ के साथ सक्रिय होना शुरू होना चाहिए। आशनी सिंह और अन्य सदस्यों को लेकर दो गुण में बदल गए। इसके बाद राष्ट्रीय जनता कामगार संघ के बाद आशनी सिंह को लेक

गरंटी वाली लोकसभा सीट पर टिकट को भाजपा में जद्दोजहद

राष्ट्रीय परिषद के बहाने प्रभारी सहित मंत्रियों से मुलाकात कर कुछ दिल्ली से लौटे



सत्ता
संग्राम

■

मुकेश सिंह

धनबाद। गरंटी वाली धनबाद लोकसभा सीट को लेकर भाजपा में टिकट को लेकर जद्दोजहद है। धनबाद से भाजपा लोकार्पण जीत रही है। इसलिए पार्टी की नजर में धनबाद सीट गरंटी वाली चर्चा है कि टिकट की दावेदारी का यही समय है और सही समय है। भाजपा के बड़े नेताओं से मेल मुलाकात की तर्ज से कई दावेदारों के लिए फिट मान कर एक और चुनाव लड़ने की इच्छा जता रही है। साथ में यह भी कहा जाता है कि निर्णय एक दावेदार ने कहा कि दिल्ली में कुछ और छोर का पता नहीं चल रहा। हालत यह है कि मौजूदा समय में टिकट को लेकर कोई आश्वस्त नहीं है। वैसे अंदर ही अंदर तेवरी सब कर रहे हैं। भाजपा की नजर में धनबाद सीट गरंटी वाली सीट है। भाजपा ने धनबाद से स्व. एक राय जैसे वापसी नेता को रोका।

दावेदारी की बात करें तो राष्ट्रीय परिषद की बैठक के बहाने धनबाद से कई भाजपा दिल्ली गए थे। इनमें कई टिकट के दावेदार थे। कुछ तो राष्ट्रीय परिषद की बैठक के दौरान दिल्ली पहुंच गए थे। कुछ बैठक खड़ा होने के बाद भी धनबाद नहीं लौटे हैं। चर्चा है कि टिकट की दावेदारी का यही समय है और सही समय है। भाजपा के बड़े नेताओं से मेल मुलाकात की तर्ज से कई दावेदारों के लिए फिट मान कर एक और चुनाव लड़ने की इच्छा जता रही है। साथ में यह भी कहा जाता है कि निर्णय एक दावेदार ने कहा कि दिल्ली में कुछ और छोर का पता नहीं चल रहा। हालत यह है कि मौजूदा समय में टिकट को लेकर कोई आश्वस्त नहीं है। वैसे अंदर ही अंदर तेवरी सब कर रहे हैं। भाजपा की नजर में धनबाद सीट गरंटी वाली सीट है। भाजपा ने धनबाद से स्व. एक राय जैसे वापसी नेता को रोका।

भाई जी का पता कटेगा या एक और गौका मिलेगा!

धनबाद भाजपा के अंदर सबसे बड़ा सवाल यह है कि लोकार्पण नीन वार से धनबाद के सासद भाई जी यारी पशुपतिनाथ सिंह का टिकट कटेगा या एक और गौका मिलेगा। सामाजिक दावेदार कहते हैं कि टिकट कटेगा या है। दूसरी तफ सामर स्वयं को घोषी पारी के लिए फिट मान कर एक और चुनाव लड़ने की इच्छा जता रही है। साथ में यह भी कहा जाता है कि निर्णय एक दावेदार ने कहा कि दिल्ली में कुछ और छोर का पता नहीं चल रहा। हालत यह है कि मौजूदा समय में टिकट को लेकर कोई आश्वस्त नहीं है। वैसे अंदर ही अंदर तेवरी सब कर रहे हैं। भाजपा की नजर में धनबाद सीट गरंटी वाली सीट है। भाजपा ने धनबाद से स्व. एक राय जैसे वापसी नेता को रोका।

धनबाद सीट से अब तक के सासंद

1952 - 1957	पीसी शोस
1957 - 1962	डीसी मलिक
1962 - 1967	पीआर वक़्रवर्ती
1967 - 1971	ललित राज लक्ष्मी
1971 - 1977	एरामन शर्मा
1977 - 1980	एके राय
1980 - 1984	एके राय
1984 - 1989	शकर दयाल सिंह
1989 - 1991	रीता वर्मा
1991 - 1996	रीता वर्मा
1996 - 1998	रीता वर्मा
1998 - 1999	रीता वर्मा
1999 - 2004	रीता वर्मा
2004 - 2009	चंद्रशेखर दुर्वे
2009 - 2014	पशुपतिनाथ सिंह
2014 - 2019	पशुपतिनाथ सिंह
2019 - 2024	पशुपतिनाथ सिंह

धनबाद सीट से अब तक के सासंद

बरवाअड़ा में शौच के लिए गई किशोरी से दुष्कर्म

बरवाअड़ा, प्रतिनिधि। बरवाअड़ा थाना क्षेत्र के एक गांव की नावालिंग लड़की के साथ दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में पीड़िता की मां ने बरवाअड़ा थाना में आवेदन देकर गिरिडीह जिले के खुखरा थाना अंतर्गत गोबरवांध गांव के 20 वर्षीय नाजीर अंसारी के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

आवेदन में किशोरी की मां ने पुलिस को बताया है कि 14 फरवरी शाम को 7 बजे उनकी पुरी शौच के लिए गई थी। शौच कर रहे वास लौटने दौरान पहले से घाट लगाकर बैठे नाजीर ने अचानक लड़की को पकड़ लिया और मुंह दबाते हुए बगल स्थित स्कूल के



केनरा बैंक की ओर से मंगलवार को आयोजित बिल्डर मीट में मौजूद अधिकारी।

केनरा बैंक ने किया बिल्डर मीट का आयोजन

धनबाद। केनरा बैंक की ओर से मंगलवार को आयोजित बिल्डर मीट का आयोजन किया गया। इसके बाद नाजीर ने धनबाद के लोकार्पण अध्यक्ष पूनम देवी की अध्यक्षता में संगठन सशक्तीकरण व आगामी-2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर पॉलीटेक्निक, बिल्डर मोरी सोसायटी और अंदर नाजीर ने किया गया। आपकी अपील के लिए गिरिडीह जिले के घर में शौचालय नहीं है। इस संबंध में पुलिस ने वोकोरी के दृष्टिकोण से घाट लगाकर बैठे नाजीर ने अचानक लड़की को पकड़ लिया और मुंह दबाते हुए बगल स्थित स्कूल के

बरामदे में ले गया और उससे दुष्कर्म किया। इसके बाद नाजीर ने धनबाद के लोकार्पण अध्यक्ष पूनम देवी की अध्यक्षता में उद्योग शुरू किया। आपकी अपील के लिए गिरिडीह जिले के घर में शौचालय नहीं है। इस संबंध में पुलिस ने वोकोरी के दृष्टिकोण से घाट लगाकर बैठे नाजीर ने अचानक लड़की को पकड़ लिया और मुंह दबाते हुए बगल स्थित स्कूल के

बरामदे में ले गया और उससे दुष्कर्म किया। इसके बाद नाजीर ने धनबाद के लोकार्पण अध्यक्ष पूनम देवी की अध्यक्षता में उद्योग शुरू किया। आपकी अपील के लिए गिरिडीह जिले के घर में शौचालय नहीं है। इस संबंध में पुलिस ने वोकोरी के दृष्टिकोण से घाट लगाकर बैठे नाजीर ने अचानक लड़की को पकड़ लिया और मुंह दबाते हुए बगल स्थित स्कूल के

बरामदे में ले गया और उससे दुष्कर्म किया। इसके बाद नाजीर ने धनबाद के लोकार्पण अध्यक्ष पूनम देवी की अध्यक्षता में उद्योग शुरू किया। आपकी अपील के लिए गिरिडीह जिले के घर में शौचालय नहीं है। इस संबंध में पुलिस ने वोकोरी के दृष्टिकोण से घाट लगाकर बैठे नाजीर ने अचानक लड़की को पकड़ लिया और मुंह दबाते हुए बगल स्थित स्कूल के

बरामदे में ले गया और उससे दुष्कर्म किया। इसके बाद नाजीर ने धनबाद के लोकार्पण अध्यक्ष पूनम देवी की अध्यक्षता में उद्योग शुरू किया। आपकी अपील के लिए गिरिडीह जिले के घर में शौचालय नहीं है। इस संबंध में पुलिस ने वोकोरी के दृष्टिकोण से घाट लगाकर बैठे नाजीर ने अचानक लड़की को पकड़ लिया और मुंह दबाते हुए बगल स्थित स्कूल के

बरामदे में ले गया और उससे दुष्कर्म किया। इसके बाद नाजीर ने धनबाद के लोकार्पण अध्यक्ष पूनम देवी की अध्यक्षता में उद्योग शुरू किया। आपकी अपील के लिए गिरिडीह जिले के घर में शौचालय नहीं है। इस संबंध में पुलिस ने वोकोरी के दृष्टिकोण से घाट लगाकर बैठे नाजीर ने अचानक लड़की को पकड़ लिया और मुंह दबाते हुए बगल स्थित स्कूल के

बरामदे में ले गया और उससे दुष्कर्म किया। इसके बाद नाजीर ने धनबाद के लोकार्पण अध्यक्ष पूनम देवी की अध्यक्षता में उद्योग शुरू किया। आपकी अपील के लिए गिरिडीह जिले के घर में शौचालय नहीं है। इस संबंध में पुलिस ने वोकोरी के दृष्टिकोण से घाट लगाकर बैठे नाजीर ने अचानक लड़की को पकड़ लिया और मुंह दबाते हुए बगल स्थित स्कूल के

बरामदे में ले गया और उससे दुष्कर्म किया। इसके बाद नाजीर ने धनबाद के लोकार्पण अध्यक्ष पूनम देवी की अध्यक्षता में उद्योग शुरू किया। आपकी अपील के लिए गिरिडीह जिले के घर में शौचालय नहीं है। इस संबंध में पुलिस ने वोकोरी के दृष्टिकोण से घाट लगाकर बैठे नाजीर ने अचानक लड़की को पकड़ लिया और मुंह दबाते हुए बगल स्थित स्कूल के

बरामदे में ले गया और उससे दुष्कर्म किया। इसके बाद नाजीर ने धनबाद के लोकार्पण अध्यक्ष पूनम देवी की अध्यक्षता में उद्योग शुरू किया। आपकी अपील के लिए गिरिडीह जिले के घर में शौचालय नहीं है। इस संबंध में पुलिस ने वोकोरी के दृष्टिकोण से घाट लगाकर बैठे नाजीर ने अचानक लड़की को पकड़ लिया और मुंह दबाते हुए बगल स्थित स्कूल के

बरामदे में ले गया और उससे दुष्कर्म किया। इसके बाद नाजीर ने धनबाद के लोकार्पण अध्यक्ष पूनम देवी की अध्यक्षता में उद्योग शुरू किया। आपकी अपील के लिए गिरिडीह जिले के घर में शौचालय नहीं है। इस संबंध में पुलिस ने वोकोरी के दृष्टिकोण से घाट लगाकर बैठे नाजीर ने अचानक लड़की को पकड़ लिया और मुंह दबाते हुए बगल स्थित स्कूल के

बरामदे में ले गया और उससे दुष्कर्म किया। इसके बाद नाजीर ने धनबाद के लोकार्पण अध्यक्ष पूनम देवी की अध्यक्षता में उद्योग शुरू किया। आपकी अपील के लिए गिरिडीह जिले के घर में शौचालय नहीं है। इस संबंध में पुलिस ने वोकोरी के दृष्टिकोण से घाट लगाकर

झरायल की एजेंसी टहल को टर्मिनेट करने के बाद दो एजेंसियों को मिला है काम 600 गांवों में पानी पहुंचाने की योजना पर नहीं शुरू हुआ काम



धनबाद, संवाददाता। धनबाद के 600 गांवों में पानी पहुंचाने की योजना पर एक भाव बढ़ भी काम शुरू नहीं हो गया है। इसके पूर्व की झरायल की एजेंसी टहल ने खानीय मजदूरों एवं कुछ ठेकेदारों से काम बराबर राशि खुगतान नहीं किया। धीमी गति से काम को देखते हुए विभाग ने टहल को टर्मिनेट कर दिया।

योजना का दोबारा टेंडर कर गोविंदपुर नौर्थ और साउथ जोन का काम दो नई एजेंसियों की दिया गया, लेकिन पूरे बकाये के खुगतान को लेकर ठेकेदार एवं मजदूरों ने विरोध कर दिया। इस कारण प्रेयजल एवं सच्चिता विभाग नई एजेंसी को काम हैंडओवर नहीं कर पाए हैं। टहल को टर्मिनेट करने के बाद

33 महीने में पूरा कर लेना है योजना का काम

- गोविंदपुर नौर्थ व साउथ जोन का काम दो नई एजेंसियों को करना है
- बकाये के भुगतान को ले विरोध के कारण एक माह बाद भी काम शुरू नहीं



देवियाना में अधूरा पांडा फिल्टर प्लांट।

प्रेयजल एवं सच्चिता विभाग की ओर से टेंडर निकाला गया था। इसमें श्रीराम ईपीसी और सियायन इंटरप्राइजेज नामक एजेंसियों का काम मिला। एक माह की अवधि तक एवं लेकिन अब तक दोनों एजेंसियों को काम हैंडओवर नहीं किया गया है। इस कारण अभी एक काम शुरू नहीं हुआ है जबकि एजेंसी को 33 माह में काम पूरा कर लेना है। बकाया योजना के तहत मैनेजर और पंचायत में एजेंसी टहल को लगभग 10 करोड़ रुपए का बिल दिया है। समस्या का समाधान नहीं होने के कारण विभाग में काफी आक्रोश है। एजेंसी टहल को लगभग 10 करोड़ रुपए का बिल दिया है। समस्या का जाकर ले सकते हैं।

—रेयजल आलम, अधीक्षण अधिकारी, प्रेयजल एवं सच्चिता विभाग
काम जल्द ही शुरू होगा। इसे लिए विभागीय पहल जारी है। स्थानीय मजदूरों व कुछ ठेकेदारों से काम पूर्व की एजेंसी टहल ने करवाया था, जिसे राशि भुगतान नहीं किया है। इससे ठेकेदार और मजदूरों में काफी आक्रोश है। ठेकेदारों ने एजेंसी टहल को लगभग 10 करोड़ रुपए का बिल दिया है। समस्या का समाधान नहीं होने के कारण विभाग में काफी आक्रोश है। एजेंसी टहल को लगभग 10 करोड़ रुपए का बिल दिया है। समस्या का जाकर ले सकते हैं।

—रेयजल आलम, अधीक्षण अधिकारी, प्रेयजल एवं सच्चिता विभाग
काम जल्द ही शुरू होगा। इसे लिए विभागीय पहल जारी है। स्थानीय मजदूरों व कुछ ठेकेदारों से काम पूर्व की एजेंसी टहल ने करवाया था, जिसे राशि भुगतान नहीं किया है। इससे ठेकेदार और मजदूरों में काफी आक्रोश है। ठेकेदारों ने एजेंसी टहल को लगभग 10 करोड़ रुपए का बिल दिया है। समस्या का समाधान नहीं होने के कारण विभाग में काफी आक्रोश है। एजेंसी टहल को लगभग 10 करोड़ रुपए का बिल दिया है। समस्या का जाकर ले सकते हैं।

महुदा में 25 पेटी अंग्रेजी शराब जब्त

कार्टवाई



जब्त की गई नकली अंग्रेजी शराब के साथ उत्पाद विभाग की टीम।

महुदा, प्रतिनिधि। आबकारी विभाग की टीम ने मंगलवार को गुरु सूचना के आधार पर महुदा मोड़ के समीप स्थित राजू साव के घर में छापामारी कर 25 पेटी नकली अंग्रेजी शराब बरामद किया। छापामारी टीम को देखते ही राजू साव एवं उसके साथी भाग निकले। आबकारी विभाग की टीम जब्त किए गए नकली शराब को लेकर धनबाद रवाना हो गई।

इस उत्पाद धर्म एवं आबकारी विभाग के जीवंत कुमार ने बताया कि कुछ ठेकेदारों से लगातार गुरु सूचना लाने की वजह से राजू साव नकली अंग्रेजी शराब का कारबाहर करता है और शराब को आसपास के होल्डलों एवं दाढ़ों में सालाई करता है। उसी सूचना के आलोक में छापामारी भाग राजू के अंदर से 25 पेटी नकली शराब मिली, जिसे छिपा

कर रखा गया था। उसे खोजकर बरामद किया गया। वहीं छापामारी टीम के आने की भनक लगने पर घर के मालिक सहित सभी पुरुष भाग निकले। सभी पर कानूनी कारबाहर की जाएगी। बताया जाता है कि इन दिनों महुदा मोड़ के अलावा तेलमच्चो, महुदा बाजार, लोहपट्टी, छुटुंगड़, मुरलीडीह आदि जगहों पर भी है।

कर रखा गया था। उसे खोजकर बरामद किया गया। वहीं छापामारी टीम के आने की भनक लगने पर घर के मालिक सहित सभी पुरुष भाग निकले। सभी पर कानूनी कारबाहर की जाएगी। बताया जाता है कि इन दिनों महुदा मोड़ के अलावा तेलमच्चो, महुदा बाजार, लोहपट्टी, छुटुंगड़, मुरलीडीह आदि जगहों पर भी है।

सुरुंगा बड़ा तालाब के पास से दस बोरा कोयला जब्त

अलकडीहा। अलकडीहा ओपी पुलिस ने मंगलवार को सुरुंगा बड़ा तालाब के समीप छापामारी कर दस बोरा कोयला जब्त किया। जबकि कोयला चारों में सफल रहे। सूचना के अनुसार सुरुंगा,

गोलन पहाड़ी सहित आसपास के ग्रामीण साउथ तिसाओ औबी डंप से प्रतिदिन कोयला चुनकर जमा करते हैं। उक्त कोयला बोरा में भाकर सालिक, स्कूटी से सिंदीरी, गोविंदपुर सहित अन्य क्षेत्रों में खपाने का काम करते हैं।

काम करते हैं। अलकडीहा ओपी प्रभारी ए यादव का कहना है कि छापामारी की गई है। दस बोरा कोयला जब्त किया गया है। कारंवाई से कोयला चारों में हड़कंप है।

गोलन पहाड़ी सहित आसपास के ग्रामीण साउथ तिसाओ औबी डंप से प्रतिदिन कोयला चुनकर जमा करते हैं। उक्त कोयला बोरा में भाकर सालिक, स्कूटी से सिंदीरी, गोविंदपुर सहित अन्य क्षेत्रों में खपाने का काम करते हैं।

काम करते हैं। अलकडीहा ओपी प्रभारी ए यादव का कहना है कि छापामारी की गई है। दस बोरा कोयला जब्त किया गया है। कारंवाई से कोयला चारों में हड़कंप है।

गोलन पहाड़ी सहित आसपास के ग्रामीण साउथ तिसाओ औबी डंप से प्रतिदिन कोयला चुनकर जमा करते हैं। उक्त कोयला बोरा में भाकर सालिक, स्कूटी से सिंदीरी, गोविंदपुर सहित अन्य क्षेत्रों में खपाने का काम करते हैं।

काम करते हैं। अलकडीहा ओपी प्रभारी ए यादव का कहना है कि छापामारी की गई है। दस बोरा कोयला जब्त किया गया है। कारंवाई से कोयला चारों में हड़कंप है।

गोलन पहाड़ी सहित आसपास के ग्रामीण साउथ तिसाओ औबी डंप से प्रतिदिन कोयला चुनकर जमा करते हैं। उक्त कोयला बोरा में भाकर सालिक, स्कूटी से सिंदीरी, गोविंदपुर सहित अन्य क्षेत्रों में खपाने का काम करते हैं।

काम करते हैं। अलकडीहा ओपी प्रभारी ए यादव का कहना है कि छापामारी की गई है। दस बोरा कोयला जब्त किया गया है। कारंवाई से कोयला चारों में हड़कंप है।

गोलन पहाड़ी सहित आसपास के ग्रामीण साउथ तिसाओ औबी डंप से प्रतिदिन कोयला चुनकर जमा करते हैं। उक्त कोयला बोरा में भाकर सालिक, स्कूटी से सिंदीरी, गोविंदपुर सहित अन्य क्षेत्रों में खपाने का काम करते हैं।

काम करते हैं। अलकडीहा ओपी प्रभारी ए यादव का कहना है कि छापामारी की गई है। दस बोरा कोयला जब्त किया गया है। कारंवाई से कोयला चारों में हड़कंप है।

गोलन पहाड़ी सहित आसपास के ग्रामीण साउथ तिसाओ औबी डंप से प्रतिदिन कोयला चुनकर जमा करते हैं। उक्त कोयला बोरा में भाकर सालिक, स्कूटी से सिंदीरी, गोविंदपुर सहित अन्य क्षेत्रों में खपाने का काम करते हैं।

काम करते हैं। अलकडीहा ओपी प्रभारी ए यादव का कहना है कि छापामारी की गई है। दस बोरा कोयला जब्त किया गया है। कारंवाई से कोयला चारों में हड़कंप है।

गोलन पहाड़ी सहित आसपास के ग्रामीण साउथ तिसाओ औबी डंप से प्रतिदिन कोयला चुनकर जमा करते हैं। उक्त कोयला बोरा में भाकर सालिक, स्कूटी से सिंदीरी, गोविंदपुर सहित अन्य क्षेत्रों में खपाने का काम करते हैं।

काम करते हैं। अलकडीहा ओपी प्रभारी ए यादव का कहना है कि छापामारी की गई है। दस बोरा कोयला जब्त किया गया है। कारंवाई से कोयला चारों में हड़कंप है।

गोलन पहाड़ी सहित आसपास के ग्रामीण साउथ तिसाओ औबी डंप से प्रतिदिन कोयला चुनकर जमा करते हैं। उक्त कोयला बोरा में भाकर सालिक, स्कूटी से सिंदीरी, गोविंदपुर सहित अन्य क्षेत्रों में खपाने का काम करते हैं।

काम करते हैं। अलकडीहा ओपी प्रभारी ए यादव का कहना है कि छापामारी की गई है। दस बोरा कोयला जब्त किया गया है। कारंवाई से कोयला चारों में हड़कंप है।

गोलन पहाड़ी सहित आसपास के ग्रामीण साउथ तिसाओ औबी डंप से प्रतिदिन कोयला चुनकर जमा करते हैं। उक्त कोयला बोरा में भाकर सालिक, स्कूटी से सिंदीरी, गोविंदपुर सहित अन्य क्षेत्रों में खपाने का काम करते हैं।

काम करते हैं। अलकडीहा ओपी प्रभारी ए यादव का कहना है कि छापामारी की गई है। दस बोरा कोयला जब्त किया गया है। कारंवाई से कोयला चारों में हड़कंप है।</

झरिया से 131, हीरापुर से 101 और करकेंद से 31 निसान बाबा को अर्पित किए गए

निसान यात्रा में ज्ञामे श्याम भक्त

धर्मक्षेत्रे



मंगलवार को निकाली गई निसान यात्रा में शामिल श्याम भक्त

झरिया, प्रतिनिधि। हाजरी लिखवाता हूं, हर एकादश में, मिलती है तेखवाह..., आज एकादश की रात है बाबा भक्त घर थाने आनो है... हरों का सहारा बाबा श्री श्याम हमारा..., सावारिया थारे भक्त से मारी बिगड़ी बाज जाये रे... चलो चालिया झरिया थाम भक्त बाजे रे बिराजे बाबा श्री श्याम... अदि जैसे भजनों के धून पर श्याम भक्त नाचते ज्ञामे हाथों में निसान लिए झरिया धाम पहुंचे।

मंगलवार को जया एकादशी पर झरिया में श्री श्याम भक्तों की ओर से निसान शोभा यात्रा निकाली गई थी। झरिया लाल बाज रित श्री श्याम प्रभु धर्मशाला में सर्व प्रसन्न निसान पूजन की गई। इके बाद बैंड बाजा व भव्य दरवार के साथ निसान शोभा यात्रा निकाली। निसान शोभा यात्रा में 131 महिलाएं क्याएं व पुरुष शामिल थे।

'सनातन धर्म की शरण में कोई दुखी नहीं रहता'



कथा सुनाते सुरेन्द्र हरिदास महाराज।

राम की शरण में आने वाले राम जैसा हो जाते हैं

सिद्धीरी सिद्धीरी अटल थारे रित पंचमुक्ती हनुमान मंदिर में आयोजित सात दिवसीय श्री शारुति नदन महायात्रा व प्राणि के लिए प्रार्थना की साथ की। सुरेन्द्र हरिदास जी महाराज ने कथा पंडाल में बैठे सभी भक्तों को भजन गोविंद गोविंद गाइए राधे गोपाल कृष्ण गाइए व्रत कराया।

कहा कि सभी सनातनियों को इस बात का सौभाग्य मना रहा है कि उन्होंने सनातन धर्म में जन्म लिया है। हमारे सनातन धर्म में पूरे विश्व के कल्याण के लिए प्रार्थना करते हैं। सनातन धर्म की शरण में आने वाला कोई भी जीव दुखों नहीं रह सकता है।

भगवत का एक-एक शब्द सत्त्व है। क्योंकि भगवत व्यक्त भगवत के मुख से निकलती है। इसलिए भगवत का समान करना चाहिए। मनुष्य को अपने अंदर के अधिकार को मिटाने के लिए जान की अवश्यकता होती है। जब ज्ञान की स्थान धर्म से प्राप्त होती है कि जी कर्म करने में योग्य हो वही करो। जो करने योग्य नहीं है वही करो।

कहा कि भव सारां वह पार जो पावा, राम कथा त कह दुड़ नाव।

प्रबंधन ने उत्पन्न की है समस्या : दुलू



मोदीडी कोलियरी में धर्मसभा को संबोधित करते विद्यायक दुलू महत्व।

दरकिनार कर दिया था। कहा कि इसमें बड़ा दुर्भाग्य क्या हो सकता है। विद्यायक ने चेतानी देते हुए कहा कि प्रबंधन के खिलाफ नोराजी की। बायमारा विद्यायक दुलू महत्व ने कहा कि बीसीसीएल प्रबंधन एक साजिश के तहत सिजुआ को लोगों के बीच समस्या उत्पन्न कर दी है। बीसीसीएल के साथी अधिकारी को शिशु इन समस्याओं को निदान करने का निर्देश दिया था। लोकन एवं एकादशी के अधिकारियों ने उनके निर्देश को भी

सिजुआ को अस्वीकृत कर दिया है। अद्यतन में समस्या और अंदोलन को लेकर मंगलवार को मोदीडी कोलियरी कार्यालय के समक्ष समूहिक रूप से (धरना) सत्याग्रह आयोजित कर रहे हैं।

सिजुआ को अस्वीकृत करने के अधिकारियों ने अपनी धर्मसभा को अंदोलन को लेकर धरना कर रहे हैं।

सिजुआ को अस्वीकृत करने के अधिकारियों ने अपनी धर्मसभा को अंदोलन को लेकर धरना कर रहे हैं।

सिजुआ को अस्वीकृत करने के अधिकारियों ने अपनी धर्मसभा को अंदोलन को लेकर धरना कर रहे हैं।

सिजुआ को अस्वीकृत करने के अधिकारियों ने अपनी धर्मसभा को अंदोलन को लेकर धरना कर रहे हैं।

सिजुआ को अस्वीकृत करने के अधिकारियों ने अपनी धर्मसभा को अंदोलन को लेकर धरना कर रहे हैं।

सिजुआ को अस्वीकृत करने के अधिकारियों ने अपनी धर्मसभा को अंदोलन को लेकर धरना कर रहे हैं।

सिजुआ को अस्वीकृत करने के अधिकारियों ने अपनी धर्मसभा को अंदोलन को लेकर धरना कर रहे हैं।

सिजुआ को अस्वीकृत करने के अधिकारियों ने अपनी धर्मसभा को अंदोलन को लेकर धरना कर रहे हैं।

सिजुआ को अस्वीकृत करने के अधिकारियों ने अपनी धर्मसभा को अंदोलन को लेकर धरना कर रहे हैं।

सिजुआ को अस्वीकृत करने के अधिकारियों ने अपनी धर्मसभा को अंदोलन को लेकर धरना कर रहे हैं।

सिजुआ को अस्वीकृत करने के अधिकारियों ने अपनी धर्मसभा को अंदोलन को लेकर धरना कर रहे हैं।

सिजुआ को अस्वीकृत करने के अधिकारियों ने अपनी धर्मसभा को अंदोलन को लेकर धरना कर रहे हैं।

सिजुआ को अस्वीकृत करने के अधिकारियों ने अपनी धर्मसभा को अंदोलन को लेकर धरना कर रहे हैं।

सिजुआ को अस्वीकृत करने के अधिकारियों ने अपनी धर्मसभा को अंदोलन को लेकर धरना कर रहे हैं।

सिजुआ को अस्वीकृत करने के अधिकारियों ने अपनी धर्मसभा को अंदोलन को लेकर धरना कर रहे हैं।

सिजुआ को अस्वीकृत करने के अधिकारियों ने अपनी धर्मसभा को अंदोलन को लेकर धरना कर रहे हैं।

सिजुआ को अस्वीकृत करने के अधिकारियों ने अपनी धर्मसभा को अंदोलन को लेकर धरना कर रहे हैं।

सिजुआ को अस्वीकृत करने के अधिकारियों ने अपनी धर्मसभा को अंदोलन को लेकर धरना कर रहे हैं।

सिजुआ को अस्वीकृत करने के अधिकारियों ने अपनी धर्मसभा को अंदोलन को लेकर धरना कर रहे हैं।

सिजुआ को अस्वीकृत करने के अधिकारियों ने अपनी धर्मसभा को अंदोलन को लेकर धरना कर रहे हैं।

सिजुआ को अस्वीकृत करने के अधिकारियों ने अपनी धर्मसभा को अंदोलन को लेकर धरना कर रहे हैं।

सिजुआ को अस्वीकृत करने के अधिकारियों ने अपनी धर्मसभा को अंदोलन को लेकर धरना कर रहे हैं।

सिजुआ को अस्वीकृत करने के अधिकारियों ने अपनी धर्मसभा को अंदोलन को लेकर धरना कर रहे हैं।

सिजुआ को अस्वीकृत करने के अधिकारियों ने अपनी धर्मसभा को अंदोलन को लेकर धरना कर रहे हैं।

सिजुआ को अस्वीकृत करने के अधिकारियों ने अपनी धर्मसभा को अंदोलन को लेकर धरना कर रहे हैं।

सिजुआ को अस्वीकृत करने के अधिकारियों ने अपनी धर्मसभा को अंदोलन को लेकर धरना कर रहे हैं।

सिजुआ को अस्वीकृत करने के अधिकारियों ने अपनी धर्मसभा को अंदोलन को लेकर धरना कर रहे हैं।

सिजुआ को अस्वीकृत करने के अधिकारियों ने अपनी धर्मसभा को अंदोलन को लेकर धरना कर रहे हैं।

सिजुआ को अस्वीकृत करने के अधिकारियों ने अपनी धर्मसभा को अंदोलन को लेकर धरना कर रहे हैं।

सिजुआ को अस्वीकृत करने के अधिकारियों ने अपनी धर्मसभा को अंदोलन को लेकर धरना कर रहे हैं।

सिजुआ को अस्वीकृत करने के अधिकारियों ने अपनी धर्मसभा को अंदोलन को लेकर धरना कर रहे हैं।

सिजुआ को अस्वीकृत करने के अधिकारियों ने अपनी धर्मसभा को अंदोलन को लेकर धरना कर रहे हैं।

सिजुआ को अस्वीकृत करने के अधिकारियों ने अपनी धर्मसभा को अंदोलन को लेकर धरना कर रहे हैं।

सिजुआ को अस्वीकृत करने के अधिकारियों ने अपनी धर्मसभा को अंदोलन को लेकर धरना कर रहे हैं।

सिजुआ को अस्वीकृत करने के अधिकारियों ने अपनी धर्मसभा को अंदोलन को लेकर धरना कर रहे हैं।

सिजुआ को अस्वीकृत करने के अधिकारियों ने अपनी धर्मसभा को अंदोलन को लेकर धरना कर रहे हैं।

सिजुआ को अस्वीकृत करने के अधिकारियों ने अपनी धर्मसभा को अंदोलन को लेकर धरना कर रहे हैं।

सिजुआ को अस्वीकृत करने के अधिकारियों ने अपनी धर्मसभा को अंदोलन को लेकर धरना कर रहे हैं।

सिजुआ को अस्वीकृत करने के अधिकारियों ने अपनी धर्मसभा को अंदोलन को लेकर धरना कर रहे हैं।

सिजुआ को अस्वीकृत करने के अधिकारियों ने अपनी धर्मसभा को अंदोलन को लेकर धरना कर रहे हैं।

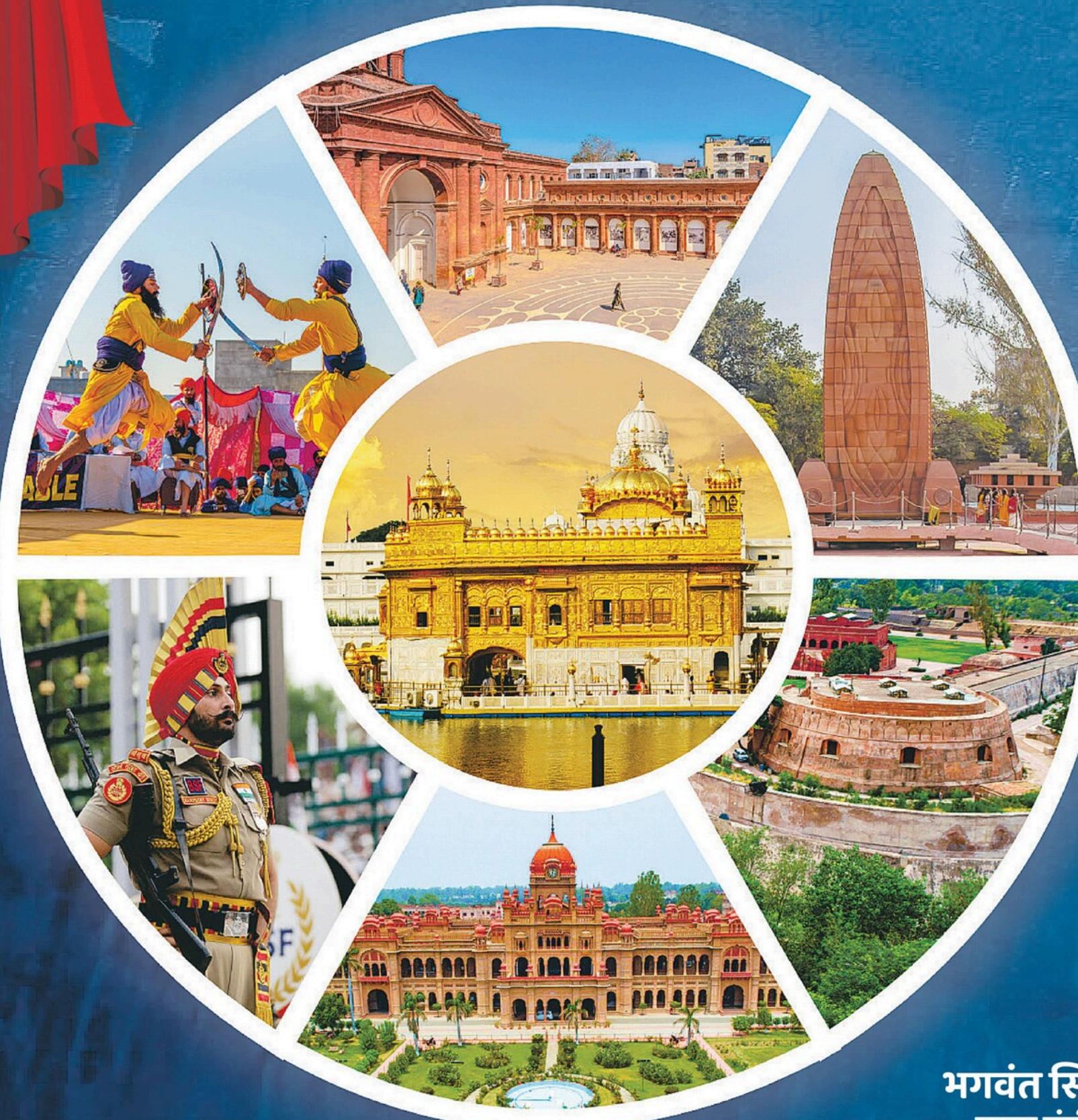
सिजुआ को अस्वीकृत करने के अध



रंगला ਪੱਖਾਬ ਉਤਸਵ

ਆਪਕਾ ਹਾਰਦਿਕ ਸ਼ਵਾਗਤ

23 ਸੇ 29 ਫਰਵਰੀ, 2024, ਅਮ੍ਰਿਤਸਰ



ਭਗਵਤ ਸਿੰਹ ਮਾਨ
ਮੁੱਖ ਮੰਤ੍ਰੀ, ਪੰਜਾਬ

ਦਿਨਾਂਕ	ਸਮਾਂ	ਆਯੋਜਨ	ਸਥਾਨ
23 ਫਰਵਰੀ	ਸਾਂਧ 6:30 ਬਜੇ ਸੇ	ਤਦ੍ਘਾਟਨ ਸਮਾਰੋਹ	ਖਾਲਸਾ ਕੱਲੇਜ
24-25 ਫਰਵਰੀ	ਪ੍ਰਾਤ: 10:30 ਬਜੇ ਸੇ ਦੋਪਹਰ 12:30 ਬਜੇ ਤਕ	ਸਾਹਿਤਿ ਉਤਸਵ	ਪਾਰਟੀਸ਼ਿਯਨ ਮ੍ਯੂਜਿਯਮ
24-25 ਫਰਵਰੀ	ਸਾਂਧ 4:00 ਬਜੇ ਸੇ 6:00 ਬਜੇ ਤਕ	ਕਾਰ੍ਨੀਵਲ ਪਰੇਡ	ਪਹਿਲਾ ਦਿਨ: ਰੈਡ ਕ੍ਰਾਂਸ - ਰਣਜੀਤ ਏਵੇਨ੍ਯੂ ਗ੍ਰਾਂਡ ਦੂਜਾ ਦਿਨ: ਟ੍ਰੀਲਿਯਮ ਮਾਲ-ਰਣਜੀਤ ਏਵੇਨ੍ਯੂ ਗ੍ਰਾਂਡ
24-29 ਫਰਵਰੀ	ਪ੍ਰਾਤ: 11:00 ਬਜੇ ਸੇ ਸਾਂਧ 5:00 ਬਜੇ ਤਕ	ਸੇਵਾ ਸਟ੍ਰੀਟ	ਟਾਊਨ ਹਾਲ ਹੈਰੀਟੇਜ ਸਟ੍ਰੀਟ
24-29 ਫਰਵਰੀ	ਪ੍ਰਾਤ: 11:00 ਬਜੇ ਸੇ ਰਾਤੀ 10:00 ਬਜੇ ਤਕ	ਫੂਡਿਸ਼ਟਾਨ ਏਵਂ ਸ਼ੋਪਿੰਗ ਮੇਲਾ	ਰਣਜੀਤ ਏਵੇਨ੍ਯੂ ਗ੍ਰਾਂਡ
24-29 ਫਰਵਰੀ	ਸਾਂਧ 7:00 ਬਜੇ ਸੇ ਰਾਤੀ 8:30 ਬਜੇ ਤਕ	ਡਿਜਿਟਲ ਮੇਲਾ	ਸਮਰ ਪੈਲੇਸ
24-25 ਏਵਂ	ਸਾਂਧ 7:00 ਬਜੇ ਸੇ	ਤਾਲ ਚੌਕ	ਰਣਜੀਤ ਏਵੇਨ੍ਯੂ ਗ੍ਰਾਂਡ
27-29 ਫਰਵਰੀ			
25 ਫਰਵਰੀ	ਪ੍ਰਾਤ: 7:00 ਬਜੇ ਸੇ 9:00 ਬਜੇ ਤਕ	ਗ੍ਰੀਨਾਥੋਨ	ਆਨਂਦ ਅਮ੍ਰਿਤ ਪਾਰਕ-ਸਾਫ਼ਡਾ ਪਿੰਡ
26 ਫਰਵਰੀ	ਸਾਂਧ 7:00 ਬਜੇ ਸੇ	ਪੰਜਾਬੀ ਲੋਕ ਸੰਗੀਤ ਨਾਈਟ	ਕਿਲਾ ਗੋਬਿੰਦਗੜ੍ਹ
29 ਫਰਵਰੀ	ਸਾਂਧ 6:30 ਬਜੇ ਸੇ	ਸਮਾਪਨ ਸਮਾਰੋਹ	ਰਣਜੀਤ ਏਵੇਨ੍ਯੂ ਗ੍ਰਾਂਡ

संदेशखाली का भंवर

पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली गांव में महिलाओं के कथित वैन उर्पीड़न मामले में राज्य सरकार का अब तक का खेल या न सिर्फ अपेक्षेदर्शील, बल्कि राजनीतिक रूप से अदूरदर्शितपूर्ण भी कहा जाएगा। कोलकाता हाईकोर्ट की टिप्पणियों से भी यही प्रतीत होता है कि सूची की सरकार इस मामले में अपने तई इंसाक सुनिश्चित करने के बजाय उसके गह में अवरोध ही खड़ी कर रही है। राज्य में विरोधी दल के नेता सुवेंदु अधिकारी को घटनास्थल पर जाने की सर्वत इजाजत देते हुए 20 फरवरी को हाईकोर्ट ने साफ कहा कि प्रथम दृष्टाय यही लगता है कि आरोपी ने जनता को नुकसान पहुंचाया है और वह अब तक मुलिस की गिरफ्त से बाहर है? इसका साफ मतलब है कि राज्य की पुलिस उसे पकड़ने में अक्षम है या फिर वह उसके अधिकार क्षेत्र से बाहर है? निस्सदैह, जिस तरह से संदेशखाली गांव की बाढ़ेबंदी की गई या वहां विपक्षी नेताओं और मीडिया को जाने से रोका गया है, उससे यही सुदैह गहराया है कि कुछ तो है, जिस पर परदा डालने की कोशिश की जा रही है।

वैसे, संदेशखाली इकलौता मामला नहीं है, और न ही पश्चिम बंगाल की तृणमूल सरकार देश की अकेली सूची हुक्मत है, जिसके गलत फैसलों ने एक मामले को स्थानीय से अंतरराष्ट्रीय बना दिया। लेकिन जिस सूची की मुख्या एक महिला है, वहां तो ऐसे किसी मामले में अतिविक्त सक्रियता दिखानी चाहीए थी, बल्कि ममता बनर्जी ऐसा करके देश-प्रदेश में सुखखात ही होती है, मगर त्वरित कार्रवाई करने के बजाय सियासी आरोपों-प्रत्यारोपों के जरिये इसे दबाने की कोशिश की गई। जनवरी के पहले हफ्ते में यह मामला काप्रकाश में आया था कि पार्टी का स्थानीय नेता शाहजहां शेख व उसके गुरुं कथित तौर पर लोगों की जमीन हड्डने, मिलियाओं के शोषण और फिरौती वसूलने जैसे आपाराधिक कृत्यों में शामिल हैं। आम चुनाव के मुहूर्ण पर खड़ी तृणमूल कांग्रेस सरकार की एक संजीदा पहल संदेशखाली को राजनीतिक मुद्दा बनने और ध्रुवीकरण की राजनीति के लिए किसी माका मुहैया करा दिया है।

दरअसल, जिस राजनीतिक दौर में आज हम जी रहे हैं, उसमें राजनेताओं के लिए सिर्फ चुनावी जीत मायने रखती है, चाहे वह किसी अधिकारी की धोखाधड़ी से आ रही हो या किसी अपाराधी के दबदबे से। शाहजहां शेखों का कवच यहीं बोट का लोभ बनता है। निस्सदैह, ऐसे में न्यायपालिका की जिम्मेदारी बढ़ गई है कि वह संविधान और उसके मूल्यों के पक्ष में दुर्दात से खड़ी हो। संदेशखाली के मामले में कोलकाता हाईकोर्ट ने उचित ही कहा है, 'सिर्फ इसलिए कि लोग कुछ कह रहे हैं, उससे आरोपी दोषी नहीं बन जाएगा।' मगर यह सरकार का दायित्व है कि वह आरोपी को अदालत के सम्मुख पेश करे। सिर्फ इसलिए कि शाहजहां शेख तृणमूल से जुड़ा है और उसकी धर्मक से राजनीतिक लाभ बटोरा जा सकता है, तो ऐसी संदूह की छूट क्यों मिलनी चाहिए? 2 हजार राजनेता की यही महत्वाकांक्षा होती है कि वह सत्ता के शिखर तक पहुंचे, जाहिर है, ममता बनर्जी भी पूर्वोत्तर के राज्यों में ज्यादा से ज्यादा लोकसभा सीटें जीतकर अपनी दावेदारी मजबूत करना चाहती है। मगर संदेशखाली के घटनाक्रम ने फिलहाल उन्हें एक ऐसे सियासी भंवर में फंसा दिया है, जिसमें वह अलग-थलग पड़ती दिखाई दे रही है।

हिन्दुस्तान | 75 साल पहले

केण्टन, 20 फरवरी। चीन के स्थानान्तर गश्टपति जनरल ली सु-य-जेन ने आज यहां पहुंचे पर बताया कि मुझे 'असीम विवास' है कि चीन में शान्ति स्थापित होगी। मगर मत है कि ऐसे समाप्त पर जब सारा देश एक काटनाइयों से गुजर रहा है जोनकात दलों के साथ-साथ एक अनुरोध पर, कि चीनी अपाराधिक दलों के साथ जान की शांति-माग के समान झुक जाना चाहिए। इसके विरुद्ध किसी भी चेतावनी देते हुए लोकों के बजाय यहीं बोट का लोभ बनता है। निस्सदैह, ऐसे में न्यायपालिका की जिम्मेदारी बढ़ गई है कि वह संविधान और उसके मूल्यों के पक्ष में दुर्दात से खड़ी हो। संदेशखाली के मामले में कोलकाता हाईकोर्ट ने उचित ही कहा है, 'सिर्फ इसलिए कि लोग कुछ कह रहे हैं, उससे आरोपी दोषी नहीं बन जाएगा।'

मगर यह सरकार का दायित्व है कि वह आरोपी को अदालत के सम्मुख पेश करे। सिर्फ इसलिए कि शाहजहां शेख तृणमूल से जुड़ा है और उसकी धर्मक से राजनीतिक लाभ बटोरा जा सकता है, तो ऐसी संदूह की छूट क्यों मिलनी चाहिए? 2 हजार राजनेता की यही महत्वाकांक्षा होती है कि वह सत्ता के शिखर तक पहुंचे, जाहिर है, ममता बनर्जी भी अपनी संदूह के पक्ष में दुर्दात से खड़ी हो। संदेशखाली के मामले में कोलकाता हाईकोर्ट ने उचित ही कहा है, 'सिर्फ इसलिए कि लोग कुछ कह रहे हैं, उससे आरोपी दोषी नहीं बन जाएगा।'

मगर यह सरकार का दायित्व है कि वह आरोपी को अदालत के सम्मुख पेश करे। सिर्फ

समाज-मंगल की वह अविरल धारा



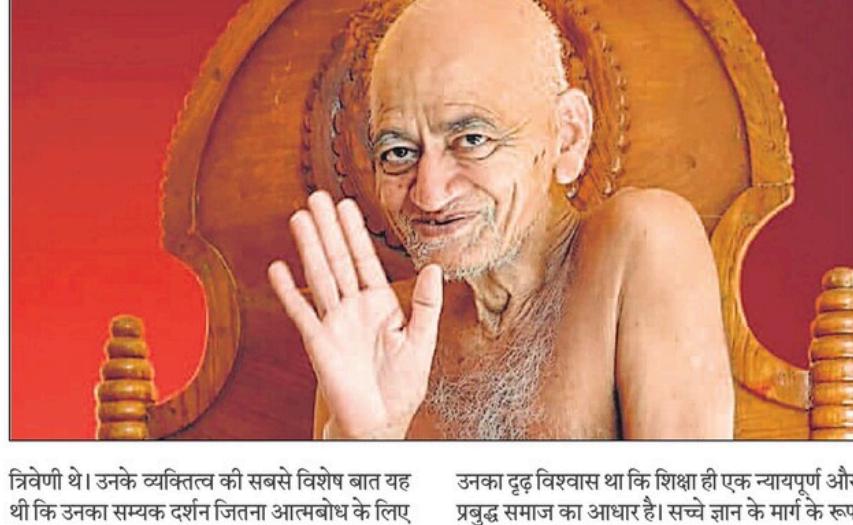
नरेंद्र मोदी। प्रधानमंत्री

जी

जन में हम बहुत कम ऐसे लोगों से मिलते हैं, जिनके निकट जाते ही मन-मस्तिष्क एक सकारात्मक ऊर्जा से भर जाता है ऐसे व्यक्तियों का सनेह, उनका आशीर्वाद, हमारी बहुत बड़ी पूँजी होता है। संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज में लिए हैं। उनके सपीय अन्तोनीकृत आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता था। आचार्य विद्यासागर जी जैसे संतों को देखकर यह अनुभव होता था, कैसे भारत में अध्यात्म किसी अमर और अज्ञ जलधारा के समान अविरल प्रवाहित होकर समाज का मंगल करता रहता है।

अज मुझे उनसे हुई मुलाकातों, उनसे हुआ संवाद, सब बार-बार यह आ रहा है। पिछले साल नंबर में उनके दर्शन करने जाना नहीं था कि आचार्य जी से वह मेरी आखिरी अंदाजा जाती होती है। उनपर मेरी अधिकारी अविवाहित व्यवस्था में लिए गए विवाह की गई थी। जनवरी के पहले हफ्ते में यह मामला काप्रकाश में आया था कि पार्टी का स्थानीय नेता शाहजहां शेख व उसके गुरुं कथित तौर पर लोगों की जमीन हड्डने, मिलियाओं के शोषण और फिरौती वसूलने जैसे आपाराधिक कृत्यों में शामिल हैं। आम चुनाव के मुहूर्ण पर खड़ी तृणमूल कांग्रेस सरकार की

संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज सम्यक ज्ञान, सम्यक दर्शन और सम्यक चरित्र की त्रिवेणी थे। उनका सम्यक दर्शन जितना आत्मबोध के लिए था, उतना ही सशक्त उनका लोक-बोध था।



त्रिवेणी थे। उनके व्यक्तित्व की सबसे विशेष बात यह है कि उनका सम्यक दर्शन जितना आत्मबोध के लिए था, उतना ही सशक्त उनका लोक-बोध भी था। उनका विशेष ज्ञान जितना धर्म के लिए एक ऐसी विशेषता से किसी भी विशेषता से किसी भी पृथक् व्यापारी की विशेषता से अलग नहीं है। उनके विशेष ज्ञान भी अनुभवित करने के लिए आज जब वह आज की अवधारणा के लिए आवश्यक है।

करुणा, सेवा और तपस्या से परिपूर्ण आचार्य जी का जीवन भगवान दग्धवीर के आर्द्धों का प्रतीक रहा। उनका जीवन जैन मंदिर में उनके दर्शन करने का लिए वह मुझे आरोपी विवाह की गई थी। उनका जीवन भी अनेक विवाहों से भरा रहा। उनकी दीक्षा से इन सिद्धियों का लिए एक ऐसा विवाह है जो जीवन के लिए उनके दर्शन करने के लिए आज जब वह आज की अवधारणा के लिए आवश्यक है।

उनके व्यक्तित्व की विशेषता विवाह की गई थी। उनका जीवन भी अनेक विवाहों से भरा रहा। उनकी दीक्षा से इन सिद्धियों का लिए एक ऐसा विवाह है जो जीवन के लिए आज जब वह आज की अवधारणा के लिए आवश्यक है। उनके विशेष ज्ञान में उनकी दीक्षा से इन सिद्धियों का लिए एक ऐसा विवाह है जो जीवन के लिए आज जब वह आज की अवधारणा के लिए आवश्यक है।

उनके व्यक्तित्व की विशेषता विवाह की गई थी। उनका जीवन भी अनेक विवाहों से भरा रहा। उनकी दीक्षा से इन सिद्धियों का लिए एक ऐसा विवाह है जो जीवन के लिए आज जब वह आज की अवधारणा के लिए आवश्यक है। उनके विशेष ज्ञान में उनकी दीक्षा से इन सिद्धियों का लिए एक ऐसा विवाह है जो जीवन के लिए आज जब वह आज की अवधारणा के लिए आवश्यक है।

उनके व्यक्तित्व की विशेषता विवाह की गई थी। उनका जीवन भी अनेक विवाहों से भरा रहा। उनकी दीक्षा से इन सिद्धियों का लिए एक ऐसा विवाह है जो जीवन के लिए आज जब वह आज की अवधारणा के लिए आवश्यक है।

उनके व्यक्तित्व की विशेषता विवाह की गई थी। उनका जीवन भी अनेक विवाहों से भरा रहा। उनकी दीक्षा से इन सिद्धियों का लिए एक ऐसा विवाह है जो जीवन के लिए आज जब वह आज की अवधारणा के लिए आवश्यक है।

उनके व्यक्तित्व की विशेषता विवाह की गई थी। उनका जीवन भी अनेक विवाहों से भरा रहा। उनकी दीक्षा से इन सिद्धियों का लिए एक ऐसा विवाह है जो जीवन के लिए आज जब वह आज की अवधारणा के लिए आवश्यक है।

उनके व्यक्तित्व की विशेषता विवाह की गई थी। उनका जीवन भी अनेक विवाहों से भरा रहा। उनकी दीक्षा से इन सिद्धियों का लिए एक ऐसा विवाह है जो जीवन के लिए आज जब वह आज की अवधारणा के लिए आवश्यक है।

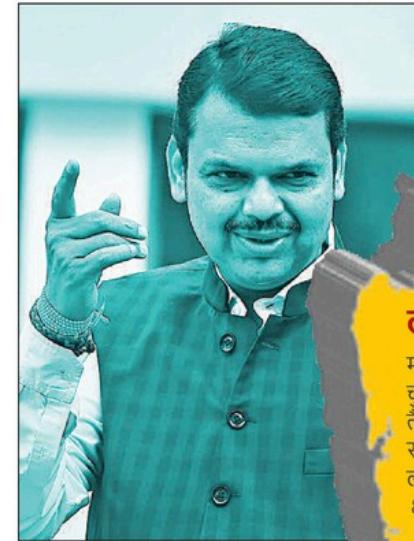
उनके व्यक्तित्व की विशेषता विवाह की गई थी। उनका जीवन भी अनेक विवाहों से भरा रहा। उनकी दीक्षा से इन सिद्धिय

महाराष्ट्र में कांटे का महा-मुकाबला

नई दिल्ली में केंद्र सरकार बनाने की राह का महाराष्ट्र से गुजरना अटल है। अगर उत्तर प्रदेश से 80 लोकसभा सांसद आते हैं, तो महाराष्ट्र भी अपने 48 सांसदों को नई दिल्ली भेजता है। अतः महाराष्ट्र के वेल विपक्ष ही नहीं, सत्तापक्ष के लिए भी चुनावी महा-मुकाबले का सूबा बना हुआ है। शिवसेना और राकांपा में टूट के बावजूद भाजपा जीत का कोई इंतजाम अधूरा नहीं छोड़ना चाहती है। आखिर क्या बता रहे हैं चुनावी समीकरण? पेश है श्रीदेव कृष्णकुमार का विश्लेषण ...

51.3

प्रतिशत वोटों के साथ एनडीए को महाराष्ट्र में 2019 के लोकसभा चुनाव में 41 सीटें हासिल हुई थीं।



मजबूत हुआ एनडीए

महाराष्ट्र में साल 2019 से ही राजनीतिक उत्तरांक का दौर चल रहा है। भाजपा और शिवसेना का गठबंधन टूटने के बाद से ही भाजपा निरंतर साक्रिय हुक्म देती है। अर्थात् राज्यांशु को दूर कर दिया है। भारतीय जनता पार्टी का अब राज्य की ओर सर्वसेवक शक्ति वाली राज्यांशु को देखता है, तो भाजपा फिर एक बार मुकाबले में मजबूत होकर सामने आ गई है।

■ महाराष्ट्र की राजनीति ने बीते दो वर्ष में प्रैतिहासिक उत्तरांक की मिसाल पेश की है।
■ दिग्गज नेताओं द्वारा स्थानीय क्षेत्रीय पार्टीयों की टूट से उपर्युक्त सवालों के जवाब चुनावी नतीजे ही देंगे।

218

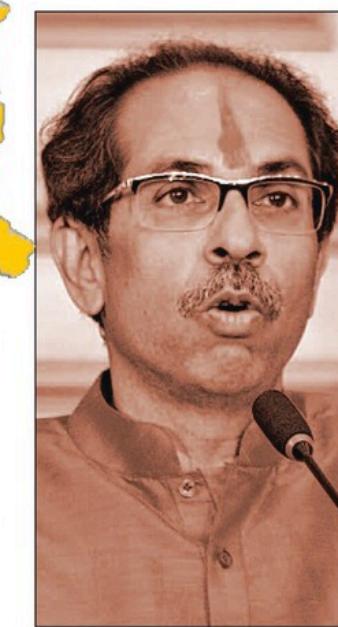
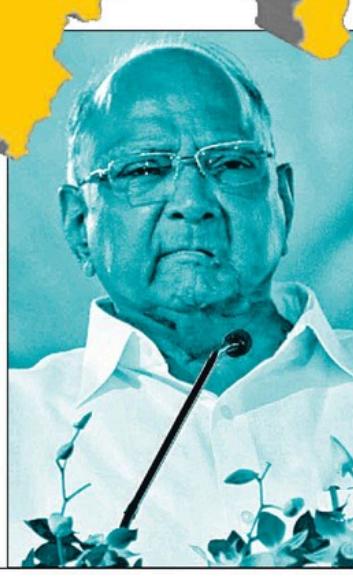
सीटें विधानसभा में जीत सकती थी महा विकास अधारी

लोकसभा के बाद विधानसभा चुनाव

महाराष्ट्र में 2024 पूरी तरह से चुनावी साल है। लोकसभा चुनाव में पूरे हो जाएगे। उसके बाद विधानसभा चुनाव की तारीफ शुरू हो जाएगी। अक्षुयन में महाराष्ट्र को अपनी सरकार का चयन करना है। विधानसभा चुनाव को लोकसभा चुनाव से भी ज्यादा कांटे का माना जा रहा है। क्षेत्रीय पार्टीयों की पूरी ताकत का अदाजा विधानसभा चुनाव में ही लगेगा। पिछले दिनों पार्टीयों में फूट से बीटों के तमाम समीकरण खिल रहे हैं, अब जनादेश से ही समीकरण स्पृह हो रहे हैं।

15.7

% वोट मिले थे बीते लोकसभा चुनाव में एनसीपी को और 4 सीटें।



23.5

% वोट और 18 सीटें मिली थीं शिवसेना को पिछले लोकसभा चुनाव में।

दे श में आप कभी भी महाराष्ट्र को नजरनंदा नहीं कर सकते। राजनीति की बिसात पर अगर देखें, तो उत्तर प्रदेश के बाद महाराष्ट्र की ही स्थान आता है। पिछली बार लोकसभा चुनाव को महाराष्ट्र से बहुत ताकत मिली थी। इस बार भी भाजपा बहुत मजबूत दिख रही है। अपनी राज्य की बहुत सी बाधाओं को उत्तरे दूर कर दिया है। भारतीय जनता पार्टी का अब राज्य की ओर सर्वसेवक शक्ति वाली राज्यांशु को देखता है, तो भाजपा फिर एक बार मुकाबले में मजबूत होकर सामने आ गई है।

विश्वालोक अपने दूंग से इस समझने की कोशिशों में जुटे हैं। गढ़ करने की बात है कि 1990 के बाद से कोई भी पार्टी इस राज्य में अपने दम पर बहुत बहुत करने में कामयाब नहीं हुई है। यही बात महाराष्ट्र की राजनीति में एनसीपी की शिवसेना के समर्थन को महत्वपूर्ण बनाती है।

महा विकास अधारी

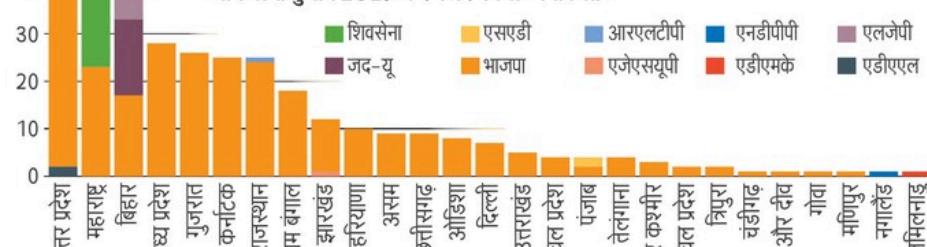
साल 2019 का महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव मुख्य रूप से भाजपा-शिवसेना और कांग्रेस-एनसीपी गठबंधन के बीच लड़ा गया था। हालांकि, नतीजे घोषित होने के बाद, उद्घव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना और भाजपा के बीच गठबंधन टूट गया था। बायोक शिवसेना ने अपने मुख्यमंत्री की मांग की थी। इसके बाद कांग्रेस-एनसीपी-शिवसेना का महागठबंधन बना, जिसे महा विकास अधारी (एनडीए) के नाम से जाना जाता है। महा विकास अधारी की ओर से उद्घव ठाकरे के मुख्यमंत्री बनाया गया और एक मजबूत सरकार सत्ता में आई। तब गठबंधन टूटने से भाजपा ने खुद को ठांडा हुआ महसूस किया था और उसके बाद महाराष्ट्र की राजनीति में सर्वांगीक भी मन नहीं हुई। असुरुच नेताओं के चहल-पहल बनी रही। बैंडे पाने पर पाला बहल भी हुआ और सड़कों पर भी कार्यकारीओं के बीच झड़ी हुई।

अब लगता है कि महा विकास अधारी ने खुद को मजबूत मानते हुए अपने को बनाए रखने के लिए पर्याप्त प्रयास की जाएगी, जहिर है, इसका फायदा दाखिल करना हो उत्तरा। भाजपा ने समर्थन देते हुए कहा है कि महा विकास अधारी की ताकत अगर मैदान में बनी ही, तो कमल का खिलना मुश्किल हो जाएगा।

ध्यान देने की बात है, साल 2014 के विधानसभा चुनावों के आंकड़ों से पता चलता है कि कांग्रेस, अधिकारी शिवसेना और एनसीपी के साथ मिलने से महाराष्ट्र में चुनावी रूप से एक बहुत जातक बन गई थी। यदि

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय लक्ष्य के लिए महाराष्ट्र का क्या महत्व है?

साल 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में, भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतात्रिक गठबंधन (एनडीए) की सीट संख्या में भाजपा का बढ़ा योगदान था। 2014 के लोकसभा चुनाव में एनडीए ने राज्य में 42 सीटों पर जीत दर्ज की थी। तब भाजपा को 23 सीटों और शिवसेना को 18 सीटों हासिल हुई थीं। स्थानीय पक्ष को एक सीट पर जीत मिली थी। उत्तर प्रदेश की ओर साथ महाराष्ट्र ने 2019 में भी राज्य में अपनी मजबूती का प्रदर्शन किया था। भाजपा की दूसरी जीत मिली थी। उत्तर प्रदेश की ओर साथ महाराष्ट्र ने एनडीए की प्रसिद्धि की थी। यहाँ वाली राज्यांशु की मांग की थी। एनडीए की जीत ने भाजपा के साथ एनसीपी को एक सीट में बढ़ावा दिया।



महा विकास अधारी को महाराष्ट्र में विरोधाभासी गठबंधन माना गया

साल 2014 के विधानसभा चुनाव में महाराष्ट्र की ओर प्रमुख पार्टीयों ने अलंग-अलंग चुनाव लड़ा था और अब यह देखना रोक देता है कि किसको किसके खिलाफ किया जाए।



2014 में जीतों दलों के प्रत्येक निवार्चन क्षेत्र में प्राप्त वोटों को जोड़ दिया जाए, तो कांग्रेस-एनसीपी-शिवसेना गठबंधन बनते के आंकड़े से बीते संक्षेप में सक्षम था। महा विकास अधारी के बीच रसने से भाजपा के लिए एक महाराष्ट्र की सत्ता में आना बहुत कठिन हो जाता। अधारी के चुनाव ने मैदान में भाजपा को मूल रूप से पहुंचकर टूट गया। दोनों तरफ से एक दूसरे पर बहुत तीखे सिवायासी हाल हुए और सुरुहट के द्वारा एक-एक बरंद होते चले गए।

वैसे भाजपा और शिवसेना के बीच टूट की नींव उठी, उसमें से 20 सीटें जीती रहीं। उस साल दोनों पार्टीयों ने विधानसभा चुनाव अलंग-अलंग रहते लड़ा थे। वैचारिक विचारण में एक प्रमुख रूप से अपने दम पर बहुत तीखे सिवायासी हाल हुए थे। अब यहाँ रुक्मिणी कांग्रेस और भाजपा के लिए देखने को मिला। विपरीत विचारधारा के बावजूद महा विकास अधारी का बनना एक बड़ी घटना थी। कुल मिलाकर, महा विकास अधारी

जीत की नींव लगी। बल्कि भाजपा को बहुत अपना और चिंतित करना पड़ा। यहाँ रुक्मिणी कांग्रेस के बीच रसने से अपनी मजबूती को बढ़ावा दिया जाए। उनमें से 29 सीटें शिवसेना (19) और भाजपा (10) के खिलाफ थीं। शिवसेना के मामले में, उनमें से 63 सीटें जीती रहीं। उनमें से 34 सीटें उसके वैचारिक प्रतिद्वंद्यों - कांग्रेस (16) और एनसीपी (18) के खिलाफ थीं। यहाँ रुक्मिणी कांग्रेस और भाजपा के लिए देखने को मिला। भाजपा ने विजय तीन वोटों से अलंग-अलंग रहते लड़ा थे। वैचारिक विचारधारा के बावजूद महा विकास अधारी का बनना एक बड़ी घटना थी। कुल मिलाकर, महा विकास अधारी

ने न के बाद चौंकाया, बल्कि भाजपा को बहुत अपना और चिंतित करना पड़ा। उनमें से एक सबसे बड़ी संख्या में सीटें उनके वैचारिक प्रतिद्वंद्यों के खिलाफ ही आई थीं, यानी शिवसेना और भाजपा, दोनों ने वैचारिक रूप से कांग्रेस और राकांपा के खिलाफ सबसे अधिक सीटें जीती थीं। उदाहरण के लिए, 2014 में राकांपा ने जो 41 सीटें जीती थीं, उनमें से 29 सीटें शिवसेना (

